वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 66 | मंगलवार 4 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

एसएमएस में आज भी नहीं हुए रूटिन ऑपरेशन

2 दिन और बंद रहेगी नेत्र विभाग का ऑपरेशन थिएटर; 17 मरीजों में डिटेक्ट हुआ स्यूडोमोनास इंफेक्शन

जयपुर. कासं

जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल (एसएमएस) के नेत्र रोग विभाग में 5वें दिन भी रूटीन ऑपरेशन नहीं हो सके। स्यूडोमोनास इंफेक्शन के कारण गुरुवार से बंद पड़े ऑपरेशन थिएटर (ओटी) को आज भी शुरू नहीं किया जा सका। वायरस में प्रभावित हुए 17 मरीजों में से 9 मरीजों का इमरजेंसी ऑपरेशन थिएटर में ऑपरेशन किया, जबकि वहीं अन्य भर्ती मरीजों को एंटीबायोटिक्स देकर इलाज किया जा रहा है। डॉक्टरों की माने तो संक्रमित 17 मरीजों में से करीब 6 मरीज फोलॉअप के बाद ठीक हो चुके हैं। हॉस्पिटल प्रशासन के मुताबिक रूटिन ऑपरेशन के लिए अभी ओटी शुरू होने में 2 से 3 दिन का समय और लग सकता है क्योंकि एक बार सभी जांच रिपोर्ट आने के बाद सभी 3 ऑपरेशन थिएटर (जो रूटिन सर्जरी में काम आते हैं) को फ्यूमिगेट किया जाएगा। फ्यूमिगेट करने के बाद दोबारा सभी उपकरणों की जांच की जाएगी

और जांच की रिपोर्ट ठीक आने के बाद ही ओटी शुरू किए जाएंगे।

अब तक केवल 17 मरीजों में वायरस डिटेक्ट: डॉक्टरों के मुताबिक सोमवार से बुधवार तक किए गए 71 ऑपरेशनों में से 17 मरीजों में ही ये वायरस डिटेक्ट हुआ है। अन्य दूसरे मरीज अब ठीक हैं और उन पर निगरानी रखी जा रही है। वायरस से डिटेक्ट हुए सभी मरीजों की आंखों में से बैक्टीरियल सैंपल लेकर उनकी कल्चर जांच के लिए सैंपल माइक्रोबायोलॉजी लैब में भिजवा दिए है।

प्रारम्भिक जांच आई नेगेटिव: हॉस्पिटल सूत्रों के मुताबिक ऑपरेशन थिएटर से जिन वस्तुओं (लैंस, मशीन, ड्रेसिंग की पट्टियां, दवाईयां) सैंपल जांच के लिए भेजे गए, उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। ऐसे में एक बार तीनो ओटी को पूरी तरह से फ्यूमिगेट करने के बाद दोबारा इन सभी चीजों के दोबारा सैंपल जांच के लिए भिजवाए जाएंगे, ताकि ये पता लग सके कि इनमें से किसी चीज से तो इंफेक्शन नहीं फैला है।

160 से ज्यादा पहुंची वेटिंग

हॉस्पिटल में 4 दिन से ऑपरेशन नहीं होने के कारण के कारण मरीजों की वेटिंग 160 से ऊपर पहुंच गई है। डॉक्टरों के मुताबिक एक दिन में तीनो ओटी में 40 से ज्यादा ऑपरेशन किए जाते है। 4 दिन ऑपरेशन नहीं होने के कारण 160 से ज्यादा मरीजों के ऑपरेशन टालने पड़े है।

गहलोत ने की वसुंधरा की योजना की तारीफ : कहा...

मैं अच्छे काम पकड़ लेता हूं; मंजिल मत पूछो, अंतिम सांस तक सेवा करने की भावना

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के समय शुरू की गई पालनहार योजना की तारीफ करने के साथ विरोधियों पर तंज भी कसे। सीएम गहलोत ने कहा- मेरी भावना अंतिम सांस तक प्रदेशवासियों की सेवा करने की है। मैं किसी पद पर रहूं, नहीं रहूं, कहीं रहूं, प्रदेशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि आपकी सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा। गहलोत सोमवार को सीएम हाउस में पालनहार योजना के लाभार्थी बच्चों से संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम के तहत इस योजना से जुड़े बच्चों के अकाउंट में रुपए ट्रांसफर किए गए। इसे लेकर सीएमआर में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसके अलावा प्रदेश के सभी जिलों में भी स्थानीय स्तर पर ये कार्यक्रम था। कार्यक्रम में गहलोत ने शेर सुनाकर सियासी इरादों को जाहिर करते हुए कहा- ना पूछो मेरी मंजिल कहां है, अभी तो सफर का इरादा किया है। ना हारूंगा हौसला उम्र भर, यह मैंने किसी और से नहीं, खुद से वादा किया है। गहलोत के इस बयान को कांग्रेस के भीतर चल

रही सियासी खींचतान से जोड़कर देखा जा रहा है। गहलोत ने कहा- कोई नहीं जानता था कि अनाथ बच्चों का भविष्य क्या होगा। उन बच्चों के लिए पालनहार योजना वसुंधरा राजे ने लागू की, लेकिन उन्होंने कोई पैसा नहीं बढ़ाया। मैंने इसको पकड़ लिया। मैं अच्छे काम पकड़ लेता हूं। हमारी स्कीम्स को वसुंधरा राजे ने सरकार बदलने पर बंद कर दिया था। जो नहीं करनी चाहिए था। चाहे मेट्रो थी, रिफाइनरी थी, केदारनाथ हादसे में मृतकों के परिजनों को नौकरी का फैसला था, सबको बंद कर दिया। बीजेपी की अप्रोच बहुत गलत है। गहलोत ने कहा- हमारी सरकार आती है तो बीजेपी राज की स्कीम्स को बंद नहीं करती। हमारी सोच पॉजिटिव है।

मेरे दोनों पैरों में एक साथ चोट लग गई, डॉक्टर कह रहे हैं ऐसा पहला केस

सीएम गहलोत ने दोनों पैरों में एक साथ चोट लगने का जिक्र करते हुए कहा- मेरे दोनों पैरों में एक साथ चोट लग गई। ऐसा कभी होता नहीं है। डॉक्टर कह रहे हैं हमने पहला ऐसा केस देखा है, जिसमें दोनों पैरों के अंगूठों में एक साथ फ्रैक्चर हो जाए, ऐसा कभी होता नहीं है। कोई एक्सीडेंट हो जाए या दूसरी घटना हो तो अलग बात है, लेकिन सामान्य रूप से ऐसा नहीं होता। मैं देखता हूं भगवान ने जानबूझकर किया होगा। दो महीनों से मैं लगातार दौरे कर रहा था, सोचा होगा कुछ आराम कर लेगा तो ठीक रहेगा। तो यह घटना हो गई। पहले डॉक्टरों ने सलाह दी कि घर के अंदर से ही वीसी से जुड़ जाऊं।

विशेष मति माताजी का चातुर्मास हेतु जनकपुरी में मंगल प्रवेश

गुरु के बिना जीवन अधूरा: गुरु पूर्णिमा पर, विशेष मति

आज होगा चातुर्मास का मंगल कलश स्थापित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका विशेष मति माताजी का चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश गुरु पूर्णिमा के शुभ दिवस सोमवार दिनांक 03/07/23 को हुआ ।प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की पूरे जयपुर शहर में इस वर्ष केवल जनकपुरी को ही किसी आर्यिका का चातुर्मास कराने का सोभाग्य मिला है । माताजी प्रातः श्याम नगर मंदिर से मंगल विहार होकर ज्योतिनगर आदिनाथ चैत्यालय पहुँची ।जहाँ से गाजे बाजे व लवाजमे के साथ जुलूस रवाना होकर इमली फाटक, गुडलक बेकरी , शाह भवन होते हुए मन्दिर जी पहुँचा। जहां पन्द्रहवे चातुर्मास के अवसर पर पंद्रह मंगल कलश लिए पंद्रह थाल में पाद प्रक्षालन कर महिलाओं ने स्वागत किया। रास्ते में जयकारों के साथ जगह जगह पाद प्रक्षालन व आरती की गई। जिनालय में धर्म सभा का आयोजन हुआ जिसमें गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प. चीकू भैया के निर्देशन में साज बाज के साथ संगीतमय गुरु पूजा तथा माताजी के पाद प्रक्षालन शास्त्र भेंट, वस्त्र भेंट आदि का कार्यक्रम हुआ । पाद प्रक्षालन वस्त्र व शास्त्र भेंट का सोभाग्य प्रेमलता नवीन राकेश पांड्या परिवार को मिला। माताजी ने गुरु व गुरु पूर्णिमा का महत्व बताते हुए कहा की जैसे नाव पतवार बिना नदी पानी के बिना अधूरी है वैसे ही जीवन गुरु के बिना अधूरा है। कार्यक्रम में श्याम नगर वरुण पथ त्रिवेणी चित्रकूट पार्श्वनाथ मंदिर मानसरोवर जैन बैंकर्स फोरम धर्म जागृति संस्थान सहित कई स्थानों से गणमान्य की उपस्थिति रही। प्रबंध समिति महिला मण्डल युवा मंच व समाज ने भक्ति भाव के साथ पूजन आदि में भाग लिया। पदम बिलाला अनुसार माताजी के चातुर्मास के मंगल कलश स्थापना का कार्यक्रम कल मंगलवार वीर शासन जयंती के दिन होगा ।

ईजी फ्लक्स पॉलीमर्स ने शुरू किया कम्पोस्टेबल प्रॉडक्ट का पहला आउटलेट

लेकसिटी में नेचर्स ब्लैण्ड शॉप पर सहज उपलब्ध है प्रॉडक्ट्स

राकेश शर्मा 'राजदीप'. शाबाश इंडिया

उदयपुर। पिछले लम्बे समय से देश दुनियां की तमाम सरकारें धरा को प्लास्टिक मुक्त बनाने का प्रयास में संलग्न हैं लेकिन अधिकांश लोग सहज सुलभ और सस्ती दरों पर मिलने वाले प्लास्टिक के समान और थैलियों के कचरे से न केवल इंसानों बल्कि वन्य जीवों और पारिस्थिक तंत्र को सतत नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसी समस्या से निजात पाने के प्रयोजन से आप प्लास्टिक मुक्त बैग दिवस के खास मौके पर लेकसिटी में ईजी फ्लक्स पॉलीमर्स के कम्पोस्टेबल प्रॉडक्ट के पहले आउटलेट (चेतक सर्किल स्थित नेचर्स ब्लैण्ड शॉप) की शुरूआत हुई। ईजी फ्लक्स पॉलीमर्स निदेशक अशोक बोहरा ने सोमवार को आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि ऐसे सभी उत्पाद को विकसित करने का प्रयास किया रहा है जो को प्लास्टिक का विकल्प बन सकें। जिसमें कैरी बैग, गार्बेज बैग, ग्रोसरी बैग के अलावा बगास के थाली - कटोरी - चम्मच - कप शामिल है। कंपनी के निदेशक आदित्य बोहरा ने बताया कि अगले महीने से इसी मैटीरियल की स्ट्रॉ भी मार्केट में लाने, ईजी फ्लक्स स्टार्टअप को प्लास्टिक का विकल्प विकसित करने और एक कंपोस्टेबिल इंडस्ट्रियल पार्क भी डेवलप करने की योजना पर काम हो रहा है। उन्होंने सरकार और मीडिया सहित आमजन का आह्वान किया कि देशहित में प्लास्टिक के अल्टरनेट विकसित करने में मदद करें। बता दें, राजस्थान में नॉन वूवन, बायोडिग्रेडेबल, ऑक्सो बायोडिग्रेडेबल, प्लास्टिक बैग पर 2010 से प्रतिबंध है। ऐसे में सर्टिफाइड कंपोस्टेबल को आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ईजी फ्लक्स सभी शहरों में ऐसे शोरूम खोल रही है जहां प्लास्टिक के सभी वैकल्पिक उत्पाद एक ही स्थान पर सुलभ हो सकें। **रिपोर्ट : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

आठ दिवसीय अष्टान्हिका पर्व का सोमवार को हुआ समापन

दंग की नसियां मंदिर में हुआ सिद्धचक्र मंडल विधान आयोजित

विवेक पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। आषाढ़ माह के आठ दिवसीय अष्टान्हिका पर्व का समापन सोमवार को हुआ। शहर के सभी जैन मंदिरों ने इस दौरान आठ दिनों तक विशेष पूजा अर्चना हुई। अष्टान्हिका पर्व वर्ष में तीन बार आता हैं। यह पर्व कार्तिक, फाल्गुन और आषाढ़ के महीनों के अंतिम आठ दिनों में अष्टमी से पूर्णिमा तक मनाया जाता हैं। विवेक पाटोदी ने बताया कि शहर के बजाज रोड़ स्थित दंग की नसियां मंदिर जी में अष्टान्हिका पर्व के दौरान सिद्धचक्र मंडल विधान का आयोजन किया गया, जिसमे आठ दिनों तक विधान से जुड़ी विशेष पूजा अर्चना की गई। जिसमे समाज के हर वर्ग के महिला व पुरुष सदस्य सम्मिलित हुए। विवेक पाटोदी ने बताया कि शहर के बजाज रोड़ स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में सोमवार को शांतिनाथ विधान आयोजित किया गया। मदनलाल तारा देवी पहाड़िया के स्वर्णिम वर्षगांठ के उपलक्ष में यह विधान मदनलाल अमित कुमार सुनित कुमार पहाड़िया परिवार द्वारा करवाया गया।

हिन्दु सेवा मंडल का 39वां वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। हिन्दू सेवा मंडल ब्यावर की साधारण सभा अध्यक्ष बी.एम.व्यास की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सभा मे मंत्री भंवरलाल ओस्तवाल ने अपने वार्षिक प्रतिवेदन में गत वर्ष के उपयोगी और विकास कार्यो की सदन में व्याख्या की गई। कोषाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश घीया द्वारा गत वर्ष के आय व्यय की ऑडिट रिपोर्ट सदन में सुनाई, अध्यक्ष बी.एम.व्यास ने आगामी वर्ष हेतु विकास कार्यो के साथ इलेक्ट्रिक गैस दाहसंस्कार मशीन हेतु विस्तृत चर्चा की गई इस प्रोजेक्ट को सभी के सहयोग से शीघ्र पूरा करने की अपील की गई। साथ ही हिन्दुसेवा मंडल के हीरक स्थापना वर्ष पर एक स्मारिका बनाने का प्रस्ताव पारित किया। सेवा मंडल में सहयोग राशि देने पर दानदाताओ का कमेटी द्वारा श्री सीमेंट के अरविंद खींचा, एडवोकेट अतुल बंसल ,राजेन्द्र गर्ग ,हरीश कुमार मूंदड़ा, सुशील कुमार मित्तल अमरचंद नागौरा , मनीष व्यास , हरीश कुमार का माला पहनाकर शोल उड़ाकर बहुमान किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष ओमप्रकाश झंवर, मदन मोहन मोदी अमरचंद नागौरा,नरेन्द्र व्यास,हरिकिशन आनंदानी,,सत्यनारायण असावा,मुकेश बाबेल, राजेन्द्र गर्ग, वैध कान प्रकाश सिंघल,अशोक खंडेलवाल,पुरुषोत्तम जाजू,अमरचद मूंदड़ा, अमित गोधा ,नरेश गुप्ता,शांति प्रकाश डाणी,उत्तम जैन, नितेश गोयल ,मुकेश बाबेल श्याम सुंदर शर्मा पन्ना लाल सोनी सहित मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

पालनहार लाभार्थी संवाद में भोजन कराया

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल के 49 वे स्थापना दिवस के साप्ताहिक सेवा कार्यों में आज तृतीय दिवस राजस्थान सरकार द्वारा मुख्यमंत्री पालनहार लाभार्थी संवाद मे कुचामन सिटी मे उपस्थित अतिरिक्त जिला कलेक्टर कमला अलरिया एसडीएम मनोज चौधरी पंचायत समिति के बी डी ओ शैलेन्द्र सिंह और समाज कल्याण अधिकारी रजनीश चौधरी और हरीराम विश्नोई नावां के सानिध्य में 70 लाभार्थी को संस्था कि प्रेरणा से गुणमाला देवी कमलकुमार पांड्या के सौजन्य से भोजन के पैकेट देते संस्था के गोवेर्निंग काउंसिल मेम्बर सुभाष पहाड़ियां अध्यक्ष रामावतार गोयल सचिव अजित पहाड़ियां कोषाध्यक्ष सुरेश जैन अशोक गंगवाल भानु प्रकाश आदिच्य तेजकुमार बड़जात्या अशोक अजमेरा ने समाज कल्याण विभाग, जिला डीडवाना कुचामन विभागीय नोडल अधिकारी रजनीश को दिए। सभी अधिकारियों ने संस्था के समय समय पर ऐसे परोपकारी सेवाओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर साधुवाद किया।

वेद ज्ञान

धारणा-शून्य होने से मिलेंगे परमात्मा

ईश्वर को खोजना है। कहां खोजूं। ईश्वर की खोज की बात ही गलत है। स्वयं को खोजो, ईश्वर मिलेगा। स्वयं को खोजो, ईश्वर तुम्हें खोजेगा। स्वयं को न खोजा, लाख सिर पटको ईश्वर की तलाश में- और कुछ भी मिल जाए, ईश्वर मिलने वाला नहीं है। जो स्वयं को ही नहीं जानता, वह अधिकारी नहीं है ईश्वर को जानने का। उसकी कोई पात्रता नहीं है। पहले पात्र बनो। आत्म-अज्ञान सबसे बड़ी अपात्रता है। वही तो एकमात्र पाप है और सब पाप तो उसी महापाप की छायाएं हैं। सारे पापों से लोग लड़ते हैं- क्रोध से लड़ेंगे, काम से लड़ेंगे, लोभ से लड़ेंगे, द्वेष से लड़ेंगे, मद-मत्सर से लड़ेंगे -और एक बात भूल जाएंगे कि भीतर अंधकार है। ये सांप-बिच्छू उस अंधकार में पलते हैं। भीतर रोशनी चाहिए, प्रकाश चाहिए, आत्मबोध चाहिए। ध्यान की बात पूछो, ईश्वर की चर्चा ही मत उठाओ। हां, प्लास्टिक के फूल मिल सकते हैं बाजार में, मंदिरों में, मस्जिदों में, गुरुद्वारों में, गिरजों में। प्लास्टिक के भगवान हैं, आदमी के गढ़े हुए भगवान हैं। वे मिल सकेंगे और अगर तुमने ज्यादा मेहनत की, बहुत कल्पना को दौड़ाया, तो तुम्हारी कल्पना में भी धनुधारी राम का दर्शन हो जाएगा। सपना है वह, इससे ज्यादा नहीं। मोर-मुकुट बांधे हुए कृष्ण खड़े हो जाएंगे, वह भी तुम्हारी कल्पना है, इससे ज्यादा नहीं। जब तक तुम जागते नहीं हो भीतर, जब तक तुम भीतर सोए हुए हो- उसी को मैं आत्म-अज्ञान कह रहा हूं- तब तक तुम जो भी करोगे, गलत ही होगा। ईश्वर को क्यों खोजना है। अगर परमात्मा तुम्हें नहीं खोजना चाहता है और भागा-भागा फिरता है, तो तुम कितना ही खोजो, तुम्हारी बिसात कितनी है। तुम्हारे हाथ कितने दूर जा सकेंगे तुम्हारी पहुंच की सीमा है और वह असीम है। वह अपने को छिपा-छिपा लेगा। लोग अपने को खोजेंगे नहीं, ईश्वर को खोजने के लिए राजी हैं। इस एक प्रश्न के अतिरिक्त सारे प्रश्न व्यर्थ हैं, खोपड़ी की खुजलाहट से ज्यादा नहीं हैं। ईश्वर को खोजना चाहते हो ईश्वर यानी कौन। जब तक मिला नहीं, तब तक तो तुम्हें यह भी पता नहीं कि ईश्वर शब्द का अर्थ भी क्या होगा। सबकी अपनी-अपनी धारणा है। किस ईश्वर को खोजोगे।

संपादकीय

रूस से यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की अपील...

एक बार फिर प्रधानमंत्री ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात कर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बातचीत और कूटनीति के जरिए इस मामले का हल निकालने की कोशिश की जानी चाहिए। इस बार भी पुतिन ने प्रधानमंत्री की सलाह को गंभीरता से सुना, मगर यूक्रेन पर आरोप लगाया कि वह बातचीत और कूटनीति से साफ इनकार करता है। पहले भी प्रधानमंत्री ने फोन पर बात करके इस मामले को सुलझाने की अपील की थी। शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में आमने-सामने मिल कर उन्होंने पुतिन को जंग खत्म करने की सलाह दी थी। तब पुतिन ने कहा था कि वे उनकी बातों पर अमल करेंगे, मगर वापस लौटते ही उन्होंने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए थे। दरअसल, दुनिया के तमाम देश भारत की तरफ नजरें लगाए हुए हैं कि अगर वह मध्यस्थता करे तो रूस-यूक्रेन युद्ध रुक सकता है। इस सिलसिले में प्रधानमंत्री ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी बातचीत की थी। उन्होंने भी सकारात्मक रुख दिखाया था। मगर करीब सवा साल से चलते इस युद्ध में दोनों देश वैश्विक गुटबंदियों में कुछ इस तरह उलझ गए हैं कि उन्हें इससे बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल पा रहा। रूस चाहता है कि यूक्रेन नाटो की सदस्यता न ले, मगर यूक्रेन अपने हित नाटो के साथ रहने में ही सुरक्षित मान रहा है। नाटो से जुड़े पश्चिमी देश यूक्रेन के समर्थन में हैं, जबकि रूस को वे देश बिल्कुल नहीं सुहाते। रूस को चीन का समर्थन हासिल है, जो अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन के वर्चस्व को चुनौती देता रहता है। इस तरह रूस-यूक्रेन युद्ध में दुनिया दो ध्रुवों में बंट गई है। मगर इस संघर्ष में कोई भी देश खुल कर इसलिए मैदान में नहीं उतरना चाहता कि महायुद्ध की विभीषिका एक बार फिर दुनिया पर टूटेगी। इस युद्ध के चलते पहले ही विश्व आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है, महंगाई पर काबू पाना बहुत सारे देशों के लिए मुश्किल बना हुआ है। ऐसे में हर कोई चाहता है कि किसी भी तरह यह युद्ध रुके। भारत के रूस और यूक्रेन दोनों से बेहतर संबंध हैं और अमेरिका-ब्रिटेन से भी। इसलिए खासकर पश्चिमी देश चाहते हैं कि भारत इसमें मध्यस्थता करे। इस वक्त भारत समूह बीस की अध्यक्षता कर रहा है, इसलिए भी उसका इस समूह के देशों पर दबाव बना कर युद्ध को विराम देने का दायित्व बढ़ गया है। पुतिन अब अपने ही देश में घिरते नजर आने लगे हैं। वैगनर समूह की बगावत ने उनकी रणनीति को कमजोर किया है। ऐसे में लग रहा है कि अगर रूस पर दबाव बनाया जाए, तो वह अपने कदम वापस खींचने और बातचीत की मेज पर आने को तैयार हो सकता है। मगर रूस के रुख में अभी लचीलापन नजर नहीं आ रहा। वैगनर को शांत करने में उसने कामयाबी हासिल कर ली है। अब भी पुतिन यूक्रेन पर दोष मढ़ते देखे जा रहे हैं कि वही अपना अड़ियल रुख नहीं छोड़ रहा। फिर रूस ने यूक्रेन के कई इलाकों पर अपना कब्जा जमा लिया है, इसलिए भी उसे लगता है कि वह यूक्रेन को आसानी से दबा सकता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

हिंसा की घटनाएं

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि एक सभ्य समाज के तकाजे के अलावा अदालतों के सख्त रुख के बावजूद देश में भीड़ हिंसा की घटनाएं नहीं रुक पा रही हैं। बिहार में सारण जिले के बंगरा गांव में लोगों की भीड़ ने एक व्यक्ति को पकड़ कर इस कदर पीटा कि उसकी जान चली गई। इसका कारण महज यह था कि जान गंवाने वाला व्यक्ति अपने वाहन में जानवरों की हड्डी एक कारखाने में ले जा रहा था और लोगों को शक था कि इसमें मवेशी का मांस है। क्या यह किसी भी लिहाज से कोई ऐसी वजह है कि लोग किसी की पीट-पीट कर उसकी जान ले लें? अव्वल तो वह व्यक्ति लंबे वक्त से कारखाने में जा रहा था, जहां से हड्डियां दवा कंपनियों में भेजी जाती हैं। लेकिन अगर लोगों को कोई शक हुआ भी तो उन्हें किसने यह अधिकार दे दिया कि वे उसे रोकने के लिए एक जघन्य अपराध को अंजाम दें? ऐसी ही एक अन्य घटना त्रिपुरा में भी सामने आई, जिसमें लोगों ने सिर्फ मवेशी चोरी के शक में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी। सवाल है कि लोगों के भीतर विवेक और कानून के राज के प्रति जिम्मेदारी इस कदर क्यों खत्म होती जा रही है! भीड़ हिंसा के मसले पर सुप्रीम कोर्ट का रुख बिल्कुल स्पष्ट है कि लोकतंत्र में भीड़तंत्र की इजाजत नहीं दी जा सकती; कोई भी नागरिक कानून अपने हाथ में नहीं ले सकता और यह राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे संविधान के मुताबिक कानून-व्यवस्था बनाए रखें। विचित्र है कि जो लोग विरोध प्रदर्शनों में अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग और सक्रिय देखे जाते हैं, वे भी सिर्फ किसी अफवाह या शक की वजह से भीड़ की हिंसा और किसी की पीट-पीट कर हत्या तक कर डालने में बिना सोचे-समझे शामिल हो जाते हैं। उन्हें इतना भी ध्यान नहीं रहता कि ऐसा करना न केवल किसी के अधिकारों का हनन तथा असभ्य और बर्बर हरकत है, बल्कि कानून के भी खिलाफ है। ऐसा अक्सर होता है कि भीड़ के हाथों हत्या की ऐसी घटनाओं के बाद जब पुलिस सक्रिय होकर कानूनी कार्रवाई करती है, तब पकड़े गए आरोपियों को समझ में आता है कि उन्होंने क्या गलती की है। हालांकि जिस पुलिस को समय रहते सक्रिय रह कर कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभानी चाहिए, वह घटना के बाद सक्रिय होती है। उम्मीद की जाती है कि कोई समाज वक्त के साथ अपनी जीवनशैली और सोच-समझ के मामले में ज्यादा सभ्य और संवेदनशील बनेगा। किसी भी घटना को लेकर अचानक आवेश में नहीं आएगा और उस पर विचार करने के बाद ही अपनी राय बनाएगा। इसके साथ-साथ अनिवार्य रूप से कानून और अदालती आदेशों के पालन को लेकर सजग रहेगा। मगर आज भी ऐसे मामले अक्सर सामने आते हैं, जिनमें लोगों को अपने विवेक का इस्तेमाल करना जरूरी नहीं लगता है। खासकर जब लोग समूह में होते हैं, तब सोचने के बजाय व्यक्ति भीड़ की आक्रामकता में शामिल हो जाता है। इसका एक कारण कुछ असामाजिक तत्त्वों की ओर से निराधार बातों को लेकर फैलाई गई अफवाह और उसके जरिए बनाई गई धारणा होती है, जिसकी चपेट में आए लोग अपने विवेक को तरजीह देना जरूरी नहीं समझते।

नहीं रुक रहा जैन मंदिरों में चोरी का सिलसिला चोर दानपात्र ले गए

150 किलो वजनी था दानपात्र। प्रताप नगर सेक्टर 17 स्थित आदिनाथ दिगंबर मंदिर में बीती रात चोरों ने दिया अंजाम

जयपुर. शाबाश इंडिया। सोमवार अल सुबह लगभग 3 बजे हल्दीघाटी मार्ग, प्रताप नगर स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 17 में चोरी हो गई। चोर मंदिर से 150 किलो वजनी दानपात्र ले गए।पुलिस ने सुबह 6.45 बजे घोड़ा सर्किल से खाली दानपात्र को बरामद कर लिया। चोर गुल्लक का गेट तोड़कर पैसे ले गए । मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष दीपक गोधा ने बताया कि मंदिर के पड़ोस में रहने वाले विकास जैन ने सुबह 4,30 बजे मंदिर का गेट खुला देखकर स्थानीय निवासियों को सूचना दी। समाज के लोग आए तो देखा कि दानपात्र गायब है चोरों ने वीडियो कैमरा रखने वाले स्टैंड से दानपात्र तोड़ने की कोशिश की परंतु कामयाब नहीं हुए।इसी उधेड़बुन में उन्होंने मंदिर के और किसी सामान को देखा ही नहीं, जिस कारण मंदिर का अन्य कोई सामान चोरी नहीं हुआ। प्रताप नगर थाने ने रिपोर्ट दर्ज करवा दी गई है पुलिस की कार्यवाही जारी है । गोधा ने बताया कि मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे मे देखने पर पता चला कि कुल 5 चोर थे एवं 1 नाबालिग भी था जिसे कांच की खिड़की तोड़कर अंदर कुदाया, फिर उस बच्चे ने अंदर से गेट की कुंडी खोल दी। इस तरह वारदात को लगभग 30 मिनट में अंजाम दिया गया। गौरतलब है कि जैन मंदिर में यह 26वीं चोरी की वारदात है ।पूरे जैन समाज में इन बढ़ती चोरियों की वारदात से रोष व्याप्त है।

प्लास्टिक सर्जन डॉ मालती गुप्ता लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। डॉक्टर्स डे के अवसर पर प्रदेश की जानी मानी प्लास्टिक सर्जन, डॉ मालती गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न्स, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, जयपुर को मेडिकल प्रैक्टिशनर्स सोसाइटी द्वारा ''लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड'' से , डॉ राजीव बगरहट्टा , प्रिंसिपल, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के मुख्य आतिथ्य में सम्मानित किया गया।

गुरुत्त्व के उपलब्ध होने के पूर्व शिष्यत्त्व का उपलब्ध होना परमावश्यक : आचार्य श्री सौरभ सागर जी

आचार्य श्री के चरण स्पर्श को लेकर सुबह 5 बजे से उमड़े श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

सोमवार को सेक्टर 8 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रताप नगर में गुरुपूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देशभर से श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे और आचार्य सौरभ सागर महाराज के केवल चरण स्पर्श की मूल भावना को साकार करने के लिए सुबह 5 बजे से संत भवन में श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा, जेसे ही आचार्य श्री ने प्रातः 5.45 बजे बाहर आए गुरुभक्तों ने जयकारों की दिव्य गूंज और पुष्पवर्षा के साथ अगवानी। इसके उपरांत एक - एक कर श्रद्धालुओं ने दूध, केसर, पुष्प, जल आदि के साथ पाद प्रक्षालन कर गुरुवर का आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रातः 8 बजे से मुख्य पांडाल पर गुरुपूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। जिसमें सर्व प्रथम समाज की बालिकाओं ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया, इसके बाद विभिन्न समाजश्रेष्ठियो द्वारा आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज के चित्र का अनावरण एवं चित्र के सम्मुख दीप प्रवज्जलन कर समारोह की विधिवत शुरूवात की। इसके बाद गुरुभक्तों द्वारा आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन किए और शास्त्र भेंट किया। इस दौरान समाजसेवी राजीव सीमा जैन गाजियाबाद वाले, अमरचंद, गजेंद्र, हर्षिल बडजात्या, संदीप, नमन जैन देहरादून, सरोज, पंकज, मोनिका जैन राधेपुरी दिल्ली, राजेश निशा जैन सेक्टर 5 रोहिणी दिल्ली, अमित जैन सेक्टर 24 रोहणी दिल्ली, सर्वेश जैन जयसिंह पुरा, अध्यक्ष कमलेश जैन बावड़ी वाले, मंत्री महेंद्र जैन पचाला वाले, कार्याध्यक्ष दुगार्लाल जैन, प्रचार संयोजक सुनील साखुनियां, बाबू लाल जैन इटुंदा, मनोज जैन, राजेंद्र सोगानी आदि सहित गाजियाबाद, देहरादून, लखनऊ, दिल्ली, हिसार, फरीदाबाद, गुरुग्राम, आगरा आदि सहित जयपुर की विभिन्न कॉलोनियों से श्रद्धालुओं ने पहुंचकर आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुपूर्णिमा पर अपने आशीर्वचन देते हुए आचार्य सौरभ सागर महाराज ने कहा कि जो दूज का चांद होता है वही पूर्णिमा का चांद होता है। जो दूज को चांद नही बनता वह कदापि पूर्णिमा का चांद नही बन पाता है। जो शिष्य बनता है, वही गुरु पद पर आसीन हो पाता है। आंगन में प्रवेश करने के लिए देहरी को लांघना आवश्यक है। पिता बनने के लिए पुत्र बनना आवश्यक है, वृक्ष बनने के लिए बीज बनना आवश्यक है, भगवान बनने के लिए भक्त बनना आवश्यक है, उसी प्रकार गुरुत्त्व को उपलब्ध होने के लिए शिष्यत्तव को उपलब्ध होना परमावश्यक है। आचार्य ने कहा की गुरु सोये हुए में जागा हुआ व्यक्ति है। गुरु पथ प्रदर्शक होता है, गुरु हमारे कल्मष हो धोते है, अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते है। गुरु जब पूर्ण होता है तब परमात्मा की वाणी को ग्रहण करने में समर्थ होता है। प्रचार संयोजक अभिषेक जैन बिट्टू ने जानकारी देते हुए बताया की आचार्य श्री के सानिध्य में शाम 6.30 बजे भगवान शांतिनाथ स्वामी की सामूहिक मंगल आरती की गई, इसके बाद श्रद्धालुओं ने आचार्य सौरभ सागर महाराज की आरती की, इसके उपरांत आचार्य श्री के सानिध्य में आनंद यात्रा और शंका समाधान का आयोजन हुआ। मंगलवार को प्रातः 8 बजे मुख्य पांडाल में वीर शासन जयंती महोत्सव मनाया जायेगा। इस दौरान आचार्य श्री के मंगल प्रवचन भी संपन्न होगे।

आर्यिका श्रुतमति माताजी आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ के चातुर्मास 2023 कलश की हुई स्थापना

फागी. शाबाश इंडिया

धर्म परायण नगरी फागी में आर्यिका श्रुतमति माताजी , आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 49 वें पावन चातुर्मास 2023 के मंगल कलश की हर्षोल्लास से स्थापना हुई, जैन महासभा मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने उक्त कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कहा कि कार्यक्रम में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा के बाद सांयकाल सोहन लाल, महावीर प्रसाद, सत्येन्द्र कुमार, सुकुमार झंडा परिवार ने झंडारोहण करके कार्यक्रम की शुरूआत की, गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में चित्र अनावरण धर्म चंद, त्रिलोक चंद जैन पीपलू वाले, दीप प्रज्वलन महेंद्र कुमार, सुरेंद्र कुमार बावड़ी वाले परिवार जनों ने कर पुण्यार्जन प्राप्त किया,बाद में बच्चियों द्वारा मंगलाचरण की शानदार की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में आचार्य शांति सागर जी महाराज का निवाई समाज द्वारा अर्घ्य चढ़ाया गया, धर्मचंद , दिनेश कुमार ,राकेश कुमार, अनिल कुमार चंवरिया परिवार निवाई ने आर्यिका संघ का पाद प्रक्षालन करने सोभाग्य प्राप्त किया गया, प्रदीप कुमार जैन दिल्ली निवासी ने श्रुतमति माताजी को शास्त्र भेंट करने का धर्म लाभ प्राप्त किया, सुनील कुमार ,पदम चंद पंसारी जयपुर वालों ने सुबोध मति माताजी को शास्त्र भेंट करने का धर्म लाभ प्राप्त किया, कपूर चंद, महावीर प्रसाद, सुरेश कुमार, राजकुमार, ललित कुमार, राकेश कुमार जैन मांदी वाले परिवार जनों ने श्रुतमति माताजी को वस्त्र भेंट करने का धर्म लाभ प्राप्त किया, अनिल कुमार , पदम चंद, सुदीप कुमार अग्रवाल पंसारी जयपुर वालों ने सुबोध मति माताजी को वस्त्र भेंट कर पुण्यार्जन प्राप्त किया , कार्यक्रम में मुख्य मंगल कलश महावीर प्रसाद , रामोवतार, नवरत्न मल, प्रेमचंद, दिलीप कुमार, कमलेश कुमार, अनिल कुमार, गणेश कुमार, मुकेश कुमार,बबलू कुमार कठमाणा परिवार ने मुख्य मंगल कलश की बोली के माध्यम से बोली लेकर कलश स्थापित करने का सोभाग्य प्राप्त किया। कार्यक्रम समाधिस्थ मुनिवर्य गुणसागर जी महाराज, समाधिस्थ आर्यिका श्री आदिमती माताजी, तथा विभिन्न आचार्यों की पूजा के बाद आर्यिका श्रुतमति माताजी आर्यिका सुबोध मति माताजी की विभिन्न व्यंजनों के द्वारा पूजा अर्चना की गई।

सुनील भंडारी ने राजकीय विद्यालय ठिकरिया में प्रेरक पुस्तकों का वितरण किया

चित्तौड़. शाबाश इंडिया। पुस्तकें हमारे लिए मार्गदर्शन का कार्य करती हैं, यह ज्ञान की अथाह भंडार है , अलग अलग विषय से सम्बंधित बुक अलग अलग चेतना प्रदान करती हैं । इसी भावना के अनुरूप आज राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ठिकरिया ,पंचायत समिति व जिला चित्तौड़गढ़ में भामाशाह सी.ए. सुनील भंडारी ने विभिन्न विषयों से सम्बंधित पुस्तके अध्यापक संजय कुमार जैन की प्रेरणा से विद्यालय में भेंट की। शिक्षक संजय कुमार जैन ने बताया कि आज विद्यालय में भेंट की गई पुस्तको में पंचतंत्र, हिंदी बाल पोथी भाग चार व तीन,स्वास्थ्य सम्मान व सुख,वीर बालक ,वीर बालिकाएं,रोचक कथाएं,हम कैसे रहें व अन्य पुस्तकें थी जिन्हें बच्चों को वितरित किया और वे उसे पढ़ेंगे जिसके बाद में इनके आधार पर बच्चों से बात की जाएगी ,सही जानकारी देने वाले बालक बालिका को पुरस्कृत किया जाएगा साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी ।पुस्तकें वितरण करने के लिए भंडारी का आभार व्यक्त किया गया ।इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा ।

जेएसजी अनंता का एक कदम स्वास्थ्य जीवन की ओर

उदयपुर. शाबाश इंडिया। दिनांक 2 जुलाई 2023, रविवार को खरऋअनंता द्वारा मॉर्निंग वॉक का कार्यक्रम रगोवर्धन सागर डी पार्कर में रखा गया यह कार्यक्रम ''एक कदम स्वस्थ जीवन की ओर'' और **"True wealth is Health" Signature project** की श्रंखला में द्वितीय कार्यक्रम था, जिसमें आज पीयूष वसीटा द्वारा एरोबिक्स सिखाई तथा कराई गई । सचिव राजेश सिसोदिया के अनुसार जैन सोशल ग्रुप अनंता का यह कार्यक्रम बंधुत्व से प्रेम से ओत प्रोत अति उत्साहवर्धन था जिसमें ग्रुप के 100 से अधिक दंपती सदस्यों ने भाग लिया। अध्यक्ष डॉ शिल्पा ने बताया कि चूँकि यह कार्यक्रम अनंता का उत्तम स्वास्थ्य से जुड़ा हुवा है,एसे में इसका प्रसार धीरे-धीरे पूरे मेवाड़ रीजन में किया जायगा जिसके अभी लगभग 2500 दंपति सदस्य है। प्रातः कालीन इस कार्यक्रम में मेवाड़ रीजन के पूर्व चेयरमैन मोहन बोहरा, मेवाड़ रीजन कोषाध्यक्ष गजेंद्र जोधावत , ललित कच्छारा,शशि जैन, अजित जैन, अशोक कोठारी,सुनील जैन, आनंद चोरडिया,रमेश वगैरिया आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक श्री विशाल जी अनीशा जी मेहता, यशवंत जी आभा जी बाफना और राजेश जी वर्षा जी बाबेल द्वारा स्वादिष्ट जैन नाश्ते की व्यवस्था की गई और आज इसी कड़ी में एक नए सदस्य श्री कमल जी मीना जी पगारिया की जॉइनिंग भी हुई ।

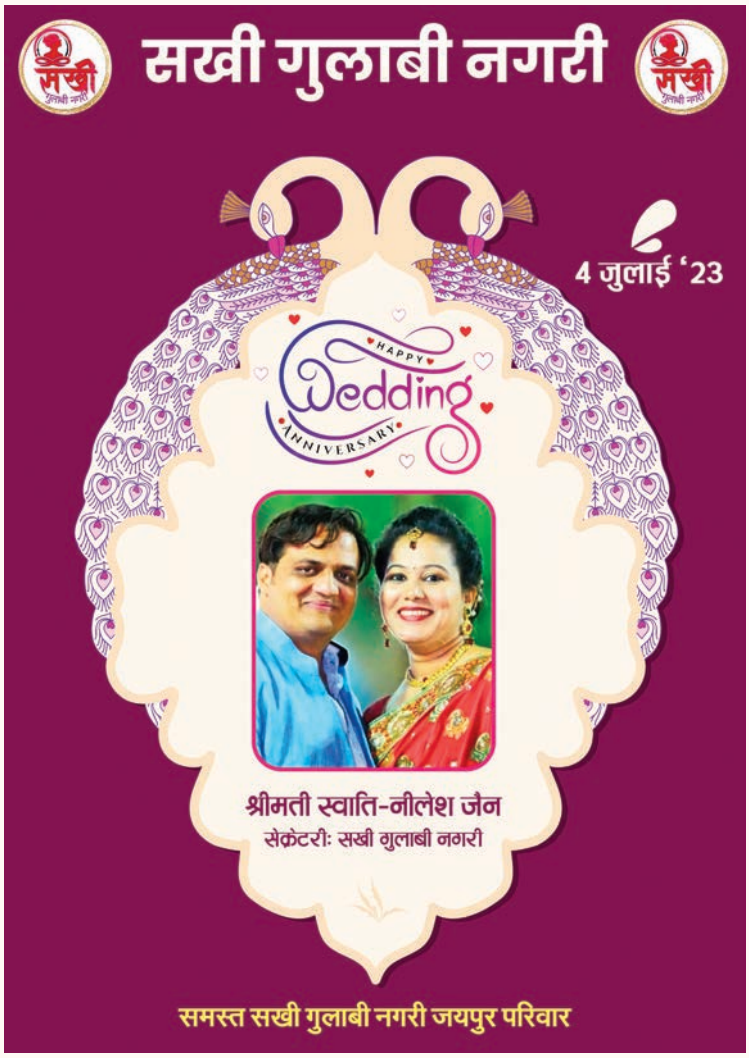

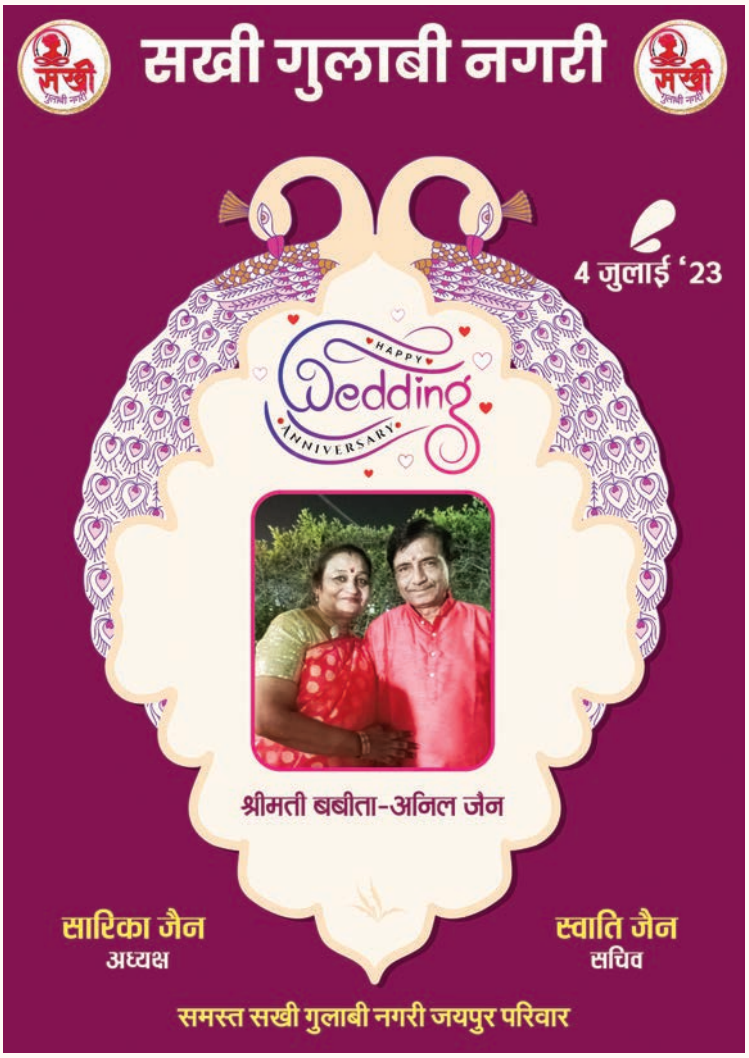

''गुरु पूर्णिमा विशेष''

अन्तर्मना प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से

शाबाश इंडिया

संत किसी गाँव से गुजर रहे थे, शिष्यों ने गाँव वालों से पूछा – यह जड़ी बूटी कहां मिलेगी...? गाँव वालों ने कहा – अरे जड़ी बूटी तो हमारे गाँव के कुएं में लगी है। शिष्य, गुरु और गाँव वाले कुंए के पास गये। गाँव वालों ने कहा–वो देखो जो कुएं के अन्दर किनारे पर लगी है, ये वही औषधि है।

भरोसा करना है तो गुरु और प्रभु पर कीजिए वरना लोगों पर करके तो जीने की उम्मीद ही कम हो जाती है। गुरु एक उपस्थिति है, सान्निध्य है, सामीप्य है,अवसर है। वह किसको कब उपलब्ध हो जाए कुछ कह नहीं सकते। लेकिन आज के वातावरण में हम सब मौल, माहौल और बाजार से प्रभावित लोग हैं। हर चीज वारंटी और गारंटी से खरीदते हैं। गुरु भी ऐसे ही बनाते हैं। सोमवार को गुरु बनाया, मंगलवार को खोट निकाली, बुधवार को छोड़ दिया और गुरुवार को फिर नये गुरु की तलाश शुरू हो जाती है। ज़िन्दगी भर यही चलता रहता है और गुरु नहीं मिल पाते...हमारे अपने ही कारण। जीवन में गुरु का उतना ही महत्व है जितना शरीर में स्वांस का, घर-परिवार, रिश्तों में विश्वास का। एक संत बीमारियों से जूझ रहे थे, कहीं भी वो औषधि नहीं मिल रही थी जिससे गुरु ठीक हो जाए। संत किसी गाँव से गुजर रहे थे, शिष्यों ने गाँव वालों से पूछा - यह जड़ी बूटी कहां मिलेगी...? गाँव वालों ने कहा - अरे जड़ी बूटी तो हमारे गाँव के कुएं में लगी है। शिष्य, गुरु और गाँव वाले कुंए के पास गये। गाँव वालों ने कहा - वो देखो जो कुएं के अन्दर किनारे पर लगी है, ये वही औषधि है। शिष्य ने आव देखा न ताव, कुएं में कूद गया। शिष्य जब औषधि लेकर कुएं से बाहर आया, गुरु ने पूछा - तुमको मौत का भय नहीं लगा..? शिष्य ने बहुत गहरी बात कही - गुरुदेव जिसकी डोर गुरु के हाथ में हो फिर उसे मौत का क्या डर। बात गहरी और समझने जैसी है। गुरु हमारे बुझे हुये दीप को जलाने की प्रेरणा देते हैं, गुरु अन्धकार से प्रकाश की ओर जाने का संकेत देते हैं, गुरु पाप के तिमिर को हटाकर, पुण्य के प्रकाश में जाने की दिशा बोध देते हैं। गुरु समझा सकते हैं, बता सकते हैं, मार्ग दिखा सकते हैं लेकिन समझना, जानना और चलना तो स्वयं को पड़ेगा। हम समझते हैं कि गुरू हमारे साथ चलेंगे, सब काम निपटा देंगे, बेटा-बेटी की शादी भी करवा देंगे, व्यापार भी सेट करा देंगे और अपने भक्त से लोन भी दिला देंगे। तो ऐसा भी नहीं है बाबू! सच तो यह है कि - हम गुरु पर आश्रित हो जाते हैं। उनके भरोसे जीना शुरू कर देते हैं। गुरू पर आश्रित नहीं बल्कि गुरू से संचालित होना चाहिए। हम भूल जाते हैं तो गुरू हमें याद दिलाते हैं - तुम बीज हो - वृक्ष बन सकते हो। बूंद हो - सागर बन सकते हो, श्रेष्ठ हो - सर्वश्रेष्ठ बन सकते हो। अपनी हर भूल को, गलती को, पाप और अपराध के बोध के लिए गुरु से जुड़े रहिये। भटकना, भूल करना, गलती, पाप और अपराध करना हमारा स्वभाव है। सही मार्ग पर लाना, सही मार्ग पर दर्शन देना, अपराध बोध कराना गुरु का फर्ज है। अपनी गलती को सुधारने के लिए गुरु का चयन करो,, न कि गुरु को सताने के लिये, न उन पर बोझ बनने के लिये। क्योंकि-जीने के लिये खुद की समझदारी ही अहमियत रखती है... अन्यथा अर्जुन और दुर्योधन के प्रभु और गुरु एक ही थे।

नरेंद्र अजमेरा
पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

जैन मिलन सेंट्रल ने किया पौधारोपण

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। रविवार को जैन मिलन सेंट्रल द्वारा पौधारोपण किया । अध्यक्ष जितेंद्र जैन शिक्षक एवं मंत्री विपिन जैन बांझल ने बताया कि इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री वीर महेंद्र जैन कडेसरा के जन्मदिन एवं साथी संजय -रजनी चौधरी की शादी की सालगिरह को यादगार बनाने के लिए जी.के.गार्डन में पौधारोपण किया गया ।जिसमें विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोंपे गए एवं उनकी देखरेख की जबाबदारी अपूर्व जैन को सौंपी गई ।दोनों साथियों से केक कटवाकर सभी बन्धुओ ने उन्हें बधाईयां दी। स्वल्पाहार के उपरांत कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।उपरोक्त आयोजन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतिवीर सुभाष जैन कैंची बीड़ी, संयुक्त मंत्री आनंद गांधी ,राष्ट्रीय संयोजक वीर प्रमोद जैन छाया ,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विनोद जैन भारिल्ल , कार्यकारी अध्यक्ष वीर अजीत जैन, उपाध्यक्ष वीर सुनील जैन रिलायंस, तत्काल पूर्व अध्यक्ष वीर सचिन जैन बारी , कोषाध्यक्ष वीर संजय जैन कनेरा ,शाखा सदस्य वीर डॉ.पारस जैन ,वीरेंद्र जैन अथाइखेड़ा ,वीर संतोष जैन सिन्नी प्रदीप पवांर , सहित जैन मिलन सेंट्रल के वीर बंधु उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

भव्य समारोह में सुधा सागर जी महाराज के चातुर्मास कलश की हुई स्थापना

पी एन सी परिवार ने ध्वजारोहण के साथ कलश स्थापित किया

गुरु पूर्णिमा उत्सव में भक्तों ने अपनी श्रद्धा समर्पित की

आगरा. शाबाश इंडिया

जैन दर्शन विश्व का पहला ऐसा दर्शन है जो जगत के जीवों पर करूणा कर वर्षात में जीवों की उत्पत्ति पर साधु एक स्थान पर ठहर जाते हैं बहुत सारे जीव चातुर्मास में जन्मते हैं सूक्ष्म जीव भी जीवन आनंद से जी सकें इस हेतु जैन साधु एक स्थान ठहर जाते हैं उक्त आश्य के उद्गार चातुर्मास समारोह को संबोधित करते हुए हरि पर्वत पर विशाल धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने व्यक्त किए। मध्य प्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा अशोक नगर ने कहा कि आज बहुत ही विशेष अवसर है आज गुरु पूर्णिमा उत्सव हम देश-भर के भक्तों के साथ मनायेंगे इस दौरान अखिल भारतीय महापौर परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन जैन प्रदीप जैन पी एन सी परिवार द्वारा प्रदीप भैया के मंत्रोच्चार के साथ किया गया इस दौरान चातुर्मास कलश की स्थापना प्रदीप जैन चक्रेश जैन योगेश जैन पी एन सी परिवार पी एल वैनाडा हीरा लाल वैनाडा नीरज जैन जिनवाणी मनोज वाकलीवाल तरुण काला मुम्वई सहित अन्य भक्तों द्वारा पूरे भक्ति भाव के साथ कलशो की स्थापना की इस दौरान आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण प्रमोद पहाड़िया एस के जैन सचिन जैन दिल्ली हुकम काका सुमन दगड़ राकेश मढिया राजेश मार्डन कमल रावका विनोद छावड़ा पूनम पहाड़िया प्रदीप लुहाडीया सहित अन्य भक्तों ने श्री फल भेंट किया इस दौरान राजेन्द्र कुमार सतेन्द्र जैन खेड़का ताराचंद नरेश कुमार जयंती अशोक कुमार पाटनी आर के मार्वल विनीत कुमार मुनि के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त किया इसके पहले समारोह की शुरूआत पी एन सी परिवार की बहु रानी के मंगलाचरण प्रस्तुत किया समारोह का संचालन मनोज जैन ने किया। इस दौरान मुनि श्री ने कहा कि इस कलिकाल में साधुओ को वन में रहने की मनाई है काले कलुऐ वने वासे भावभेष में भी जंगल में चातुर्मास नहीं कर सकते हैं चातुर्मास करने का आदेश भवन और नगरों में दिया है आगम की आज्ञा से चातुर्मास साधु करता है तो जनता को भी लाभ मिलना चाहिए कहते हैं कि आपके आधुनिक यंत्र का उपयोग कर जिनेन्द्र बाबू सागर वालो ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का प्रत्यक्ष दर्शन कराया और उन्ही के संकेतो से हम आज आगरा में चातुर्मास कलश स्थापना कर रहे हैं।

विवेक विहार जैन मंदिर में वेदी प्रतिष्ठा के दो दिवसीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में वेदी शुद्धि व श्री जी विराजमान का दो दिवसीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ ।इस कार्यक्रम में पहले दिन शाम को नवकार मंत्र का जाप और 48 दीपको के साथ भक्तांबर महामंत्र का संगीतमय आयोजन किया गया जिसमें समाज के सभी धर्मावलंबी बंधुओं ने उत्साह से भाग लिया। दूसरे दिन सुबह कार्यक्रम की शुरूआत अशोक बाकलीवाल परिवार द्वारा ध्वजारोहण के साथ की गई । इसके बाद महिला मंडल की अध्यक्षा सरला बगड़ा और मंत्री अलका पांड्या के निर्देशन में पांचो मुख्य इंद्राणी व अन्य इंद्राणीयों ने अष्ट कुमारयों के साथ में कलश लेकर घट यात्रा निकाली तथा उसके बाद वेदी शुद्धि का कार्यक्रम किया गया। विवेक विहार दिगंबर जैन समाज के कोषाध्यक्ष पारस छाबड़ा ने सौधर्म इंद्र, अध्यक्ष अनिल जैन आई आर एस ने ईशान इंद्र व मंत्री सुरेंद्र पाटनी ने महेंद्र इंद्र बनने का सौभाग्य प्राप्त कर इस कार्यक्रम में पुण्य अर्जित किया और अन्य इंद्रों के साथ याग मंडल विधान की संगीतमय पूजा की। विवेक विहार दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस ने बताया कि प्रसिद्ध वास्तुविद राजकुमार कोठारी के निर्देशन में वेदी को ऊपर उठाया गया था तथा उसके बाद संशोधित वेदी पर श्री जी विराजमान करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। वासु पूज्य भगवान की मुख्य प्रतिमा को विराजमान करने का सौभाग्य अनिल जैन आईआर एस, अरविंद जैन रए पी डब्ल्यू डी के परिवार को प्राप्त हुआ ।सुभाष कासलीवाल और धर्मेंद्र गंगवाल के परिवार को महावीर भगवान और मुनीसुव्रत नाथ भगवान की प्रतिमा को विराजमान करने का सौभाग्य मिला। विवेक विहार जैन मंदिर के सह मंत्री दीपक सेठी और नरेश जैन मेड़ता तथा कार्यक्रम के अन्य सह संयोजक पंकज रारा, सौरभ लुहाड़िया , अमित ठोलिया तथा अनिल पाटनी के सम्मिलित प्रयासों से पूरा कार्यक्रम बहुत ही सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और समाज के सभी धर्मावलंबी बंधुओं ने दो दिन के पूरे कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और धर्म लाभ प्राप्त किया ।

आचार्य विहर्ष सागर जी का शोभायात्रा के साथ चातुर्मास स्थल मोदी जी की नसिया में मंगल प्रवेश हुआ

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। गणाचार्य विराग सागर जी से दीक्षित आचार्य श्री विहर्षसागरजी, मुनिश्री विजयेश सागर जी एवं मुनि श्री विश्व हर्ष सागर जी ने आज शोभायात्रा के साथ दिगंबर जैन मंदिर रामचंद्र नगर से चलकर बड़ा गणपति एवं मल्हारगंज भ्रमण करते हुए चातुर्मास स्थल बड़ा गणपति स्थित मोदी जी की नसिया में मंगल प्रवेश किया। दिगंबर जैन पंचायती मंदिर अंजनी नगर के ऋषभ पाटनी एवं देवेंद्र सोगानी के निर्देशन में निकली एक किलोमीटर लंबी शोभा यात्रा में बैंड बाजे, एवं बग्घीयों के साथ दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका के नेतृत्व में आचार्य श्री विहर्ष सागरजी ससंघ सहित नगर के सभी जैन मंदिरों के अध्यक्ष एवं सोशल ग्रुप इंदौर रीजन के पदाधिकारी एवं सदस्य उमंग और उत्साह के साथ जयकारा लगाते और झूमते हुए एवं दिगंबर जैन महिला मंडल की सदस्याएं मंगल गीत गाती हुई पैदल चल रही थीं। शोभा यात्रा के भ्रमण के दौरान मार्ग में जगह जगह भक्तों ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर उनकी उतारी और आचार्यश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। अचार्य श्री ने मार्ग में पड़ने वाले चंदा प्रभु जिनालय, रामासाह मंदिर, एवं बीसपंथी मंदिर के दर्शन भी किये। शोभायात्रा के मोदी जी की नसिया पहुंचने पर पंचलश करी ट्रस्ट के योगेंद्र काला, नीरज मोदी ,कमल काला एवं नसिया महिला मंडल ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर उनकी अगवानी की। ध्वजारोहण विहर्ष ज्वेलर्स एवं बड़जात्या ज्वेलर्स परिवार ने किया एवं मंगलाचरण पंडित रमेशचंद बांझल ने किया। आचार्य विराग सागरजी के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन राकेश, आदित्य एवं राहुल गोधा ,राजकुमार पाटोदी एवं राकेश विनायका ने किया। श्री एम के जैन, राजेंद्र सोनी, विमलअजमेरा, डॉक्टर जैनेंद्र जैन, रितेश पाटनी, विपुल बांझल, बाहुबली पांड्या, कमल काला पदम मोदी, सुशील पांडया आदि गणमान्य जनों ने आचार्य श्री को श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सोशल ग्रुप फेडरेशन के प्रचार प्रमुख राजेश जैन दद्दू ने बताया कि आचार्य श्री ने 3 जून को नगर प्रवेश किया था और आज 3 जुलाई गुरु पूर्णिमा के दिन चातुर्मास स्थल मोदी जी की नसिया में प्रवेश किया। मंगल कलश की स्थापना 9 जुलाई रविवार को दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संयुक्त तत्वाधान में मोदी जी की नसिया में होगी। इस अवसर पर सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आचार्य श्री द्वारा सामाजिक संसद एवं फेडरेशन के तत्वावधान में चातुर्मास करने की स्वीकृति प्रदान करने से यह चातुर्मास पूरे इंदौर का होकर अपूर्व धर्म प्रभावना करेगा इसके लिए हम आचार्य श्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

रामकरण पंवार बने जयपुर मेट्रो संयुक्त कर्मचारी संघ के अध्यक्ष

महामंत्री पद पर शंकरलाल शर्मा हुए निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर मेट्रो संयुक्त कर्मचारी संघ के सोमवार को हुए चुनाव में रामकरण पंवार अध्यक्ष व शंकरलाल शर्मा महामंत्री निर्वाचित हुए हैं। चुनाव अधिकारी विनीत मान ने बताया कि मेंटेनर रामकरण पंवार ने अनिल कुमार को 95 वोटों के अंतर से पराजित किया। वहीं, महांत्री पद के प्रत्याशी मेंटेनर शंकरलाल शर्मा 11 मतों के अंतर से विजयी रहे। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रामकरण पंवार को 202, अनिल कुमार 107, पूर्व अध्यक्ष विकास क्षत्रिय को 56 तथा महामंत्री पद के प्रत्याशी शंकरलाल शर्मा को 134, ब्रजेश कुमार सैनी को 123 तथा गजेंद्र सिंह गुर्जर को 108 मत प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि कुल 376 में से 365 वोटर्स ने मताधिकार का उपयोग किया। रामकरण पंवार ने बताया कि जल्द ही संगठन की मीटिंग आयोजित कर उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, संगठन मंत्री, संयुक्त मंत्री, प्रचार मंत्री का सर्वसम्मति चयन किया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ली गुरु दीक्षा

विराटनगर. शाबाश इंडिया। पौराणिक तीर्थ स्थल श्री पंच खंडपीठ पावन धाम में सोमवार को श्री पंच खंडपीठ पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी सोमेंद्र महाराज के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आचार्य स्वामी सोमेंद्र महाराज ने अपने आशीर्वचन में गुरु और गुरु पूर्णिमा महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि हर प्राणी को अपने जीवन में गुरु अवश्य बनाना चाहिए, गुरु के बिना उस व्यक्ति का जीवन अधूरा है। गुरु अपने शिष्य के जीवन को अंधकार से प्रकाश की ओर निर्माण करता है इसलिए उसे श्रद्धा भाव से समर्पित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मां से बड़ा कोई गुरु नहीं होता। पावन धाम सचिव प्रतीक शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर महाराज श्री ने समर्थ गुरुपाद रामदास महाराज की चरण पादुकाओं की पूजा अर्चना कर ब्रह्मलीन श्रीमन्महात्मा रामचंद्र वीर महाराज एवं ब्रह्मलीन सदगुरुदेव आचार्य स्वामी श्री धर्मेंद्र महाराज की समाधि स्थल पर परिक्रमा कर, उनकी प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर पूजा अर्चना की। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गुरु दीक्षा प्राप्त कर पंगत प्रसादी ग्रहण की।

मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ का चातुर्मासि कलश स्थापना समारोह भव्यता से संपन्न

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। आर.के.कॉलोनी स्थित विद्यासागर वाटिका में आचार्यश्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ का चातुर्मास कलश स्थापना समारोह बड़े उत्साह उमंग के साथ संपन्न हुआ। हॉल श्रद्धालुओं से खचा-खच भरा हुआ था। जयकारों से सारा वातावरण गूंज उठा। आरंभ में मंगलाचरण कर बाहर से आए अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। टीकमगढ़ के गुरु भक्त परिवार द्वारा मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज का पाद प्रक्षालन किया। परिवारजनों द्वारा मुनि श्री को शास्त्र भेंट किए। इस अवसर पर पाठशाला के बच्चों द्वारा जैनम जयतु शासनम पर आधारित सुंदर प्रस्तुति दी। जिसमें धर्म के संस्कारों को दशार्या गया था। चारु गदिया बालिका ने कन्नड़ , हिंदी भाषा में सुंदर काव्य प्रस्तुत किया। इस उपरांत संगीत पार्टी के वाद्य यंत्रों की स्वर लहरियों में सभी कॉलोनी के महिला मंडल, युवा मंडल, समाज के वरिष्ठ जनों द्वारा अलग-अलग वेशभूषा मे भक्ति धार्मिक गीतों के साथ नृत्य करती हुई मंच पर पहुंचकर गुरु पूजा की। समारोह में भोपाल, हिम्मतनगर ,इंदौर, नीमच, मंदसौर, दिल्ली आदि कई प्रांतों से बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, युवा कार्यक्रम की शिरकत की। मुख्य कलश की स्थापना युवराज, आदित्य जैन टीकमगढ़ परिवारजनों की। इसके अलावा गुलाबचंद मनीष शाह, आजाद, वअमित जैन, अरविंद सिद्धार्थ जैन, सनत कुमार अजमेरा, राकेश अजय पंचोली एवं डॉ अभिषेक जैन ने चतुर्मास कलश स्थापना की। सभी कलश स्थापनाकर्ताओ, बाहर से आए अतिथियों को माल्यार्पण कर पगड़ी पहनाकर, शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। ट्रस्ट अध्यक्ष नरेश गोधा ने अपने उद्गार प्रकट किए। इस दौरान मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने धर्म उपदेश मैं कहा कि साधु चातुर्मास के लिए ऐसा स्थान चयन करता है जहां उसके ज्ञान की साधना हो सके। अहिंसा का पालन व रत्नत्रय की पालना हो। चातुर्मास में श्रावक को अपने अंतरंग में ज्ञान एवं सम्यकत्व के बीज बोना चाहिए। इससे पहले प्रातः मुनिससंघ के सानिध्य में वैदिक मंत्रोचार द्वारा नरेश उषा गोधा परिवारजनों ने ध्वजारोहण किया। समारोह का संचालन सुरेश गदिया एवं श्रीमती राजुल अजमेरा ने किया।

साहूकार पेठ गुरू पूर्णिमा पर

संसार मे मनुष्य कितनी भी दौलत शोहरत प्राप्त कर ले पर गुरू का उपकार नही चुका पाएगा: साध्वी धर्मप्रभा जी

सुनिल चपलोत.शाबाश इंडिया

चैन्नई। अंधकार से प्रकाश की ओर कोई ले जा सकता है तो वह गुरू। एस.एस.जैन भवन मे सोमवार को गुरू पूर्णिमा के अवसर सभी को आशीर्वाद देते हुये महासती धर्मप्रभा ने कहा कि संसार के सब धर्मो मे ईश्वर से भी बड़ा दर्जा दिया गया है तो वह गुरू को,इंसान दुनिया मे कितनी भी दौलत शोहरत प्राप्त करले पर गुरू के उपकार का नही चुका पाएगा। किसी को भी सदमार्ग कौई दिखा सकता है तो वह गुरू जो कभी भी शिष्य का अहित नही चाहेगा। गुरू के प्रति श्रध्दा समर्पण की भावना रखकर ही व्यक्ति ज्ञान को प्राप्त कर सकता है जो कौई गुरूओ की निंदा करता है उसे परमात्मा भी माफ नही करतें है। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि बिना गुरू के मनुष्य का जीवन शून्य है । पत्थर को भगवान

बना सकता है तो वह गुरू है।अज्ञान से ज्ञान का मार्ग कौई दिखा सकता है तो वह गुरू ही है। जो कभी शिष्य को भटकने नही देगा। वर्तमान परिवेश मे नई पीढ़ी मे संस्कारो के अभाव से दिशा हीन होकर गलत रास्ते इख्तियार करके शॉर्टकट मे जीवन मे प्रसिद्धि प्राप्त करना चाहती है ।जबकि जीवन का विकास ओर निर्माण गुरू की शिक्षा के बिना असंभव है। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर साहूकार पेठ एस.एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम. अजितराज कोठारी कार्याध्यक्ष महावीर सिसोदिया महामंत्री सज्जनराज सुराणा सुरेश डूंगरवाल, हस्ती मल खटोड़, जितेंद्र भंडारी,भरत नाहर आदि सभी पदाधिकारियों ने विचार व्यक्त करते हुये साध्वी मंडल एवं धर्मसभा मे उपस्थित श्रध्दालूओ को गुरू पूर्णिमा बधाई दि। कार्याध्यक्ष महावीर सिसोदिया ने बताया कि इसदौरान राजस्थान,महाराष्ट्र एवं स्थानीय चैन्नई जैन समाज के अनेको श्रावक श्राविकाओ ने साध्वी मंडल से गुरू पूर्णिमा का महामंगल पाठ लिया। तथा धर्मसभा का संचालन सज्जनराज सुराणा द्वारा किया गया दिनांक 5 जुलाई बुधवार से पैसटिया छंद का जाप घर घर मे एवं सिध्दी तप की साधना एस एस. जैन संघ साहूकार पेठ मे प्रांरभ होगी।

महावीर भवन मानसरोवर मे प्रतिदिन जिनवाणी की अमृतमय गंगा बह रही हैं

जयपुर. शाबाश इंडिया

महाश्रमणी राजस्थान सिंहनी पूज्या गुरूमाता (माताजी म सा) महासती श्री पुष्पवती जी म सा, उपप्रवर्तनी सदगुरूवर्या डॉ राजमती जी म. सा. आदि ठाणा 7 महावीर भवन मानसरोवर मे प्रतिदिन जिनवाणी की अमृतमय गंगा बहा रहे है। आज का पावन दिन हम सभी के समक्ष गुरू पूर्णिमा के रूप मे उपस्थित हुआ। आज के प्रवचन मे सभी महासतीवृन्द के मुखारविंद से गुरू की महिमा का अहोभाव से व्यक्त किये गये उद्गारो को उपस्थित श्रावक श्राविकाओ ने श्रवण किया। सर्व प्रथम विद्याभिलाषी पूज्या महासती श्री राज किर्ती जी म सा के मुखारविंद से मुक्तको के माध्यम से गुरू की महिमा का गुणगान किया गया। तत्पश्चात निर्भीक वक्ता पूज्या महासती श्री राजरिद्धि जी म सा ने फरमाया की हम सभी के जीवन मे गुरू एवं माँ का विशेष महत्व है। तप सूर्या पूज्या मसासती श्री राज रश्मि जी म सा ने गुरू एक सेवा अनेक के स्वरूप को समझाया उप प्रवर्तिनी पूज्या महासती श्री राजमती जी म सा के मुखारबिंद से भी गुरू की महिमा पर प्रवचन श्रवण का उपस्थित सभी ने लाभ लिया। म सा श्री ने उपस्थित सभी श्रावक- श्राविकाओ को चातुर्मास मे अधिक से अधिक धर्म ध्यान, तप-त्याग, सामायिक स्वाध्याय दया, संवर पौषध एवं प्रवचन श्रवण की प्रेरणा की है। आयंबिल के तेले की लड़ी, पचरंगी मे भी अधिक से अधिक नाम लिखाने की प्रेरणा की है। 05-07-2023 से पूज्या महासती जी म सा के मुखारविंद से प्रति दिन दोपहर 3 से 4 आगम शास्त्र की मूल वाचना की जायेगी। साथ ही आज प्रवचन के पश्चात पूछे गये पांच प्रश्नोत्तर के वात्सल्य प्रोत्साहन के लाभार्थी मदनगंज किशनगढ़ से सिंघवी परिवार थे। श्री संघ की तरफ से सिंघवी परिवार का बहुत बहुत साधुवाद।

तारा ज्योतिष साधना केंद्र में गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित डॉ रविंद्र आचार्य ने माता पिता के चरण स्पर्श कर माला पहना कर, नारियल और फल देकर माता पिता का आशीर्वाद लिया।सर्व प्रथम माता-पिता ही गुरु है फिर गुरुजी योगीराज जी को शाल ओढ़ाकर ,माला पहना कर, नारियल मिठाई देकर आशीर्वाद लिया । तारा ज्योतिष साधना केंद्र कार्यालय में बड़ी धूमधाम से भक्तों ने गुरु पूर्णिमा मनाई सभी ने माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर , नारियल देकर सभी ने पंगत प्रसादी ग्रहण की आचार्य ने सभी को आशीर्वाद दिया खूब आगे बढ़े खूब उन्नति करें साथ में श्याम प्रेमी गोपाल भाई पंडित हरिओम शर्मा, पृथ्वी सिंह राठौड़, जाहोता सरपंच श्याम सिंह राठौड़ , रोनक शर्मा, राजेश जांगिड़, राजकरण कुमावत, आकाश, मुकेश सैनी, किरण, पूनम पारीक, नेहा सोनी ,नेहा सैनी, दीपक कुमावत, सुमित बंसल ,अनिल व्यास ,ऋषि पारीक आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

बिजली के बिलों में फ़्यूल सरचार्ज का जयपुर व्यापार महासंघ द्वारा विरोध जताया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुरेन्द्र बज ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर बिजली के बिलों में फ़्यूल सरचार्ज लगाने का विरोध किया है वह इसे तुरंत हटाने की माँग की है । आतिश मार्केट में आयोजित जयपुर व्यापार महासंघ की मीटिंग में सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने विद्युत बिलों में लगाये जा रहे फ़्यूल सरचार्ज पर नाराजगी व्यक्त की। व्यापार व उद्योग को कोरोना काल के समय से गत तीन वर्षों से काफी विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है व्यापारियों को कोरोना काल व उसके बाद किसी भी तरह राहत राज्य सरकार एवं प्रशासन द्वारा नहीं दी गई है। अभी बिजली के बिलों में फ्यूल सरचार्ज के नाम पर काफी चार्जेज जुड़ करके आ रहे हैं कि इससे यह भार व्यापारियों को काफी भारी पड़ रहा है।

महंगाई राहत कैम्प-अब तक 1.77 करोड़ से ज्यादा परिवारों को मिला लाभ

7.54 करोड़ से अधिक गारंटी कार्ड हो चुके जारी

जयपुर. शाबाश इंडिया। राज्य सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे महंगाई राहत कैम्पों से आमजन को राहत का सिलसिला बरकरार है। कैम्पों में मिल रहे 10 जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से हर परिवार को संबल मिल रहा है और महंगाई के खिलाफ लड़ाई मजबूत हो रही है। सोमवार शाम तक 1.77 करोड़ से ज्यादा परिवार इन कैम्पों से लाभान्वित हो चुके हैं, जबकि गांरटी कार्ड वितरण का आंकड़ा भी 7.54 करोड़ से अधिक का हो चुका है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सोमवार शाम तक इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 54.94 लाख, मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना में 92.79 लाख, मुख्यमंत्री निःशुल्क कृषि बिजली योजना में 11.33 लाख, मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना में 1.03 करोड़, मुख्यमंत्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में 66.76 लाख एवं इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 4.37 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। इसी प्रकार, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 51.29 लाख, मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना में 1.07 करोड़, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 1.31 करोड़ एवं मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 1.31 करोड़ से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए हैं।

मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव: गुरु पूर्णिमा पर जैन धर्मावलम्बियो ने किया गुरु पूजन दिगम्बर जैन संतों सहित गुरुओं से लिया आशीर्वाद

गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी से सोनागिर जी में जयपुर के श्रद्धालुओं ने लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों द्वारा सोमवार, 3 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर्व भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं द्वारा शहर में विराजमान दिगम्बर जैन संतों के चातुर्मास स्थलों एवं मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए जाकर गुरुओं से आशीर्वाद लिया गया। इस मौके पर जयपुर से गये सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सिद्ध क्षेत्र श्री सोनागिर जी में गुरु पूजन के बाद गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर समाजश्रेष्ठी प्रदीप जैन लाला, रमेश ठोलिया, विनोद जैन कोटखावदा, सुबोध चांदवाड, कमल वैद, मीनाक्षी सोगानी सहित पूरे देश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार गुरु पूर्णिमा पर्व के उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न चातुर्मास स्थलों पर दिन भर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। साधु संतों द्वारा विशेष प्रवचनों में गुरु की महिमा पर प्रकाश डाला गया। विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक आमेर स्थित संकटहरण पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में उपाध्याय ऊर्जन्तसागर महाराज, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा बाड़ा में आचार्य चैत्य सागर महाराज ससंघ, प्रतापनगर सैक्टर 8 में आचार्य सौरभ सागर महाराज, दहमीकला के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य नवीन नन्दी महाराज, अग्रवाल फार्म के मीरा मार्ग स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि सवानंद, मुनि पुण्यानन्द एवं मुनि जिनानन्द महाराज, बीलवा के नांगल्या स्थित विमल परिसर में गणिनी आर्यिका 105 नंगमति माताजी, बगरुं के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी ससंघ, जनकपुरी के श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में सोमवार को प्रातः गुरु पूर्णिमा के विशेष आयोजन किए गए।

सोयाबीन कैसा भोजन है?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

सोयाबीन के अंदर अल्प मात्रा में एक विषाक्त व हानिकारक तत्व अमीनो-प्रो-पियोनिक एसिड मौजूद होता है। यह तत्व उसे पकाने पर ही नष्ट होता है। अतः किसी भी परिस्थिति में सोयाबीन के दानों को कच्ची अवस्था में नहीं खाना चाहिए। जैसे कुछ लोग इसे मल्टी ग्रेन आटे में पिसवा लेते हैं, या इसे पानी में फुला कर बिना पकाए ही खा लेते हैं। ऐसा करना अत्यंत हानिकारक हो सकता है। इसका सबसे आसान तरीका है रेडीमेड ''सोया बड़ी'' का उपयोग करना। यह बडियां, सोयाबीन के तेल निकली खली (डिऑइल्ड सोया केक) के आटे को भाप से पका कर उससे बनाई जाती हैं। इन बड़ियों को आप गेहूं के साथ पिसवा कर, इनकी सब्जी बना कर, इसके बारीक ग्रेनुअल्स को पानी में फुला व उसके कोफ़्ते इत्यादि बना कर इत्यादि विभिन्न तरीके से उपयोग कर सकते हैं। अगर आप इसे पानी में फुला कर खाना चाहते हैं, तो फुलाऐ हुए कच्चे सोयाबीन के दानों को 1-2 मिनट उबाल कर ही खाएं। इसी प्रकार सोया मिल्क बनाने के बाद उसे कभी भी कच्चा सेवन न करें, उसे भी उबाल कर ही उपयोग करें। यह जानकारी फूड सेफ्टी फीचर्स के एक शोध पर आधारित है।

वीर शासन जयंती-भगवान महावीर का प्रथम देशना दिवस

जैन धर्म अनादि, अनंत, शास्वत धर्म है। जैन धर्म के वर्तमान अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ थे एवं अन्तिम 24वें तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर है। भगवान महावीर का जन्म 599 ई० वर्ष पूर्व क्षत्रीय कुण्डाग्राम (कुण्डलपुर- वैशाली) वर्तमान बिहार राज्य में चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन हुआ था । इनके पिता का नाम राजा सिद्धार्थ एवं माता का नाम रानी प्रियकारिणी (त्रिशला) था। इनके बचपन का नाम वर्धमान था । इन्हे अल्प काल में ही समस्त विद्याएं स्वतः प्राप्त हो गई थी । बालक वर्धमान विद्वान होने के साथ साथ शूरता, वीरता, साहस आदि अनन्य गुणों के आश्रय थे।

भगवान महावीर ने 30 वर्ष की आयु में मार्गशीर्ष कृष्णा दशमी के दिन गृह त्याग कर दिया था एवं मुनि दीक्षा गृहण कर ली थी। इसके पश्चात् लगातार 12 वर्ष 5 माह एवं 15 दिन तक तप, संयम एवं साम्य भाव की साधना की और केवल ज्ञान प्राप्त हुआ ।

भगवान महावीर को केवलज्ञान प्रगट होकर समवसरण की रचना हो चुकी थी, किन्तु दिव्यध्वनि नहीं खिर रही थी। 66 दिन व्यतीत हो गये, तभी सौधर्म इन्द्र ने समवसरण में गणधर का अभाव समझकर अपने अवधिज्ञान से ''गौतम'' जो मगध देश में ब्राह्मण नाम के नगर में शांडिल्य नाम के ब्राह्मण की दो पत्नी थीं-स्थंडिला और केशरी स्थंडिला ने गौतम और गाग्र्य को जन्म दिया तथा केशरी ने भार्गव को जन्म दिया एवं इन तीनों भाइयों के इन्द्रभूति, अग्निभूति एवं वायुभूति नाम प्रसिद्ध थे। इनमे से इंद्रभूति को इस योग्य जानकर उन्हे अपने तरीके से बुलाने के लिए वृद्ध का रूप बनाया और वहाँ गौतमशाला में पहुँचकर कहा कि ''मेरे गुरु इस समय ध्यान में होने से मौन हैं और आप को योग्य जानकर मैं आपके पास इस श्लोक का अर्थ समझने आया हूँ।'' इंद्रभूति को गौतम के नाम से ज्यादा जाना जाता है । गौतम ने विद्या के गर्व से गर्विष्ठ हो पूछा- ''यदि मैं इसका अर्थ बता दूँगा तो तुम क्या दोगे?'' तब वृद्ध ने कहा-यदि आप इसका अर्थ कर देंगे, तो मैं सब लोगों के सामने आपका शिष्य हो जाऊँगा और यदि आप अर्थ न बता सके तो इन सब विद्यार्थियों और अपने दोनों भाईयों के साथ आप मेरे गुरु के शिष्य बन जाना।'' महा अभिमानी गौतम ने यह शर्त मंजूर कर ली क्योंकि वह समझता था कि मेरे से अधिक विद्वान इस भूतल पर कोई है ही नहीं। तब वृद्ध ने वह काव्य पढ़ा-

''धर्मद्वयं त्रिविधकालसमग्रकर्म, षड्द्रव्यकायसहिताः समयैश्च लेश्याः।
तत्त्वानि संयमगती सहितं पदार्थै-रंगप्रवेदमनिशं वद चास्तिकायं।।''

तब गौतम ने कुछ देर सोचकर कहा-''ब्राह्मण! तू अपने गुरु के पास ही चल, वहीं मैं इसका अर्थ बताकर तेरे गुरु के साथ वाद-विवाद करूँगा।'' इन्द्र तो चाहता ही यह था। वह वृद्ध वेषधारी इन्द्र गौतम को समवसरण में ले आया। वहाँ मानस्तंभ को देखते ही गौतम का मान गलित हो गया और उसे सम्यक्त्व प्रगट हो गया। गौतम ने अनेक स्तुति करते हुए भगवान के चरणों को नमस्कार किया तथा अपने पाँच सौ शिष्यों और दोनों भाईयों के साथ भगवान के पादमूल में जैनेश्वरी दीक्षा धारण कर ली।

अन्तर्मुहूर्त में ही इन गौतम मुनि को सातों ऋद्धियाँ, अवधि और मनःपर्ययज्ञान प्रगट हो गया तथा वे तीर्थंकर महावीर स्वामी के प्रथम गणधर हो गये। उत्तर पुराण में लिखा है- ''तदनन्तर सौधर्मेन्द्र ने मेरी पूजा की और मैंने पाँच सौ ब्राह्मण पुत्रों के साथ श्री वर्धमान भगवान को नमस्कार कर संयम धारण किया। परिणामों की विशेष शुद्धि होने से मुझे उसी समय सात ऋद्धियाँ प्राप्त हो गई। तदनन्तर भट्टारक वर्धमान स्वामी के उपदेश से मुझे श्रावण वदी प्रतिपदा के दिन पूर्वान्ह काल में समस्त अंगों के अर्थ तथा पदों का भी स्पष्ट बोध हो गया। पुनः चार ज्ञान से सहित मैंने रात्रि के पूर्व भाग में अंगों की तथा रात्रि के पिछले भाग में पूर्वों की रचना की । ''जिस दिन भगवान महावीर स्वामी को निर्वाण प्राप्त होगा, उसी दिन मैं केवलज्ञान प्राप्त करूँगा।

इससे पूर्व गणधर के अभाव में भगवान महावीर की दिव्यध्वनि नहीं खिरी थी। इनके दीक्षा लेते ही प्रभु की दिव्यध्वनि खिरने लगी। उस दिन श्रावण कृष्णा प्रतिपदा थी प्रातःकाल गौतम स्वामी ने दीक्षा ली, प्रभु की दिव्यध्वनि खिरी। उसी दिन रात्रि में भगवान महावीर गौतम गणधर देव ने ग्यारह अंग-चौदह पूर्वों की रचना कर दी ।

आज से पच्चीस सौ अस्सी वर्ष पूर्व राजगृही के विपुलाचल पर्वत पर श्रावण कृष्णा प्रतिपदा के दिन भगवान महावीर स्वामी की प्रथम दिव्यध्वनि खिरी थी अतः यही पवित्र दिन ''वीर शासन जयंती'' पर्व के नाम से प्रसिद्धि को प्राप्त है, क्योंकि तब से लेकर आज तक भगवान महावीर का ही शासन चला आ रहा है। इसी दिन श्री गौतम स्वामी नाम से प्रसिद्ध भगवान के प्रथम गणधर ने द्वादशांग की रचना की थी अथवा ग्यारह अंग और चौदह पूर्वों की रचना की थी। इस दिन भगवान महावीर स्वामी की दिव्यध्वनि खिरी है वह सात सौ अठारह भाषारूप है अथवा सर्वभाषामयी है। उसी का स्पष्टीकरण-मृदु, मधुर, अति गंभीर

उत्तर पुराण में लिखा है- ''तदनन्तर सौधर्मेन्द्र ने मेरी पूजा की और मैंने पाँच सौ ब्राह्मण पुत्रों के साथ श्री वर्धमान भगवान को नमस्कार कर संयम धारण किया। परिणामों की विशेष शुद्धि होने से मुझे उसी समय सात ऋद्धियाँ प्राप्त हो गई। तदनन्तर भट्टारक वर्धमान स्वामी के उपदेश से मुझे श्रावण वदी प्रतिपदा के दिन पूर्वान्ह काल में समस्त अंगों के अर्थ तथा पदों का भी स्पष्ट बोध हो गया। पुनः चार ज्ञान से सहित मैंने रात्रि के पूर्व भाग में अंगों की तथा रात्रि के पिछले भाग में पूर्वों की रचना की।

और विषय को विशद करने वाली भाषाओं से एक योजनप्रमाण समवसरण सभा में स्थित तिर्यंच, देव और मनुष्यों के समूह को प्रतिबोधित करने वाले हैं, संज्ञी जीवों की अक्षर और अनक्षररूप अठारह महाभाषा और सात सौ छोटी भाषाओं में परिणत हुई और तालु, दन्त, ओठ तथा कण्ठ के हलन-चलन- रूप व्यापार से रहित होकर एक ही समय में भव्यजनों को आनन्द करने वाली भाषा (दिव्यध्वनि) के स्वामी भगवान महावीर हैं। षट्खण्डागम ग्रंथ की नवमी पुस्तक में श्री वीरसेन स्वामी ने लिखा है कि गणधर देवों के सातों ऋद्धियाँ होती हैं- गणधर देव बुद्धि, तप, विक्रिया, औषधि, रस, बल, अक्षीण, सुस्वरत्वादि तथा अवधि एवं मनःपर्यय ज्ञान से सहित हैं। आज जितना भी जैन वाङ्मय है, वह सब भगवान महावीर की दिव्यध्वनि का ही अंश है। यह श्रावण कृ. एकम तभी से वीरशासन जयंती के नाम से प्रसिद्ध है। जैन शास्त्रों मे इसे युगादि दिवस भी माना गया है। यह धर्म तीर्थ उत्पत्ति का भी प्रथम दिन है अतः इसे प्रथम देशना दिवस के नाम से भी कहते हैं।

संकलनः भागचंद जैन मित्रपुरा, अध्यक्ष,अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर।

आदिनाथ मित्र मंडल ने किया चुलगिरी में भक्तामर विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया। आदिनाथ मित्र मंडल सांगानेर ने रविवार को श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चुलगिरी पर भक्तामर विधान किया। मंडल अध्यक्ष सुनील जैन व मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि प्रातः मूल नायक श्री पार्श्वनाथ भगवान तथा श्री आदिनाथ भगवान की प्रतिमा के अभिषेक शांतिधारा करने के पश्चात क्षेत्र पर विराजमान भगवान महावीर की खगड़ासन प्रतिमा के समक्ष भक्तामर विधान किया । मंडल संरक्षक राकेश गोदिका ने बताया कि इस अवसर पर विमल जैन, अनिल जैन, धनेश सेठी, अशोक सेठी, साकेत जैन , सुनील जैन तथा राजेंद्र बाकलीवाल ने उपस्थित होकर पुण्यलाभ प्राप्त किया।

गुरु पूर्णिमा पर आर्ट ऑफ लिविंग का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सोमवार 3 जुलाई 2023 के दिन गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग स्वयंसेवकों द्वारा आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रविशंकर आश्रम, प्रताप नगर, जयपुर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में सांय 4:30 बजे हैप्पीनेस प्रोग्राम किए हुए साधकों के लिए सुदर्शन क्रिया फॉलो अप सेशन हुआ। जिसमे करीब 350 भक्तों ने भाग लिया। तत्पश्चात सांय 6:30 बजे सामूहिक रुद्र पूजा का आयोजन किया गया जिसे स्वामी विश्वेश्वरा जी एवं बैंगलोर आश्रम से आए वैदिक पंडितों के द्वारा पूजा संपन्न की गई । सांय 7:30 बजे से सप्रसिद्ध भजन गायक सौरभ शेखावत जी एवं टीम ने अपने मधुर भजनों से सारे वातावरण को गुरु भक्तिमय कर दिया । जिसमे करीब 1500 भक्तो ने आनंद उठाया। कार्यक्रम का समापन सभी भक्तों के लिए भोजन प्रसादी से हुआ।

चातुर्मास के लिए वर्षायोग मंगल कलश स्थापना

चंद्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। स्थानीय कस्बा स्थित श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में गंभीर नदी के तट के समीप कमल मंदिर में विराजमान परम पूज्य आचार्य श्री 108 विमल सागर महाराज कि जन्म जयंती व वर्षायोग चातुर्मास के लिए भव्य मंगल कलश स्थापना समारोह धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। एवं मुनि श्री 108 चिन्मयानंद महाराज का चतुर्मास कलश स्थापना किया गया।कमल मंदिर प्रभारी ओर श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र के विशेषाधिकारी विकाश पाटनी ने बताया कि वर्षा योग के अवसर पर जैन मुनि विमल सागर महाराज का जन्म जयंती समारोह और चिन्मयानंद महाराज का वर्षायोग चातुर्मास मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम में सर्वप्रथम मंदिर में देवाग्य, गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, ध्वजारोहण, पिच्छी परिवर्तन ,आदि विधिविधान ओर मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण, जिनेंद्र प्रभु के चित्र का अनावरण, दीप प्रज्वलन, व शास्त्र भेंट एवं मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम में श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल , सदस्य पीके जैन जल पुरुष राजेन्द्र सिंह , अतुल विलाला सहित सभी पदाधिकारी एवं जैन समाज के गणमान्य लोगों ने श्रीफल भेंट कर पाद प्रक्षालन करके मंगल आरती की गई। धर्म सभा को उपदेश देते हुए चातुर्मास के मंगल प्रवेश एवं चातुर्मास कलश स्थापना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने देव शास्त्र व गुरु के समागम को चरितार्थ किया। वर्षा योग कलश स्थापना का कार्यक्रम पंडित मुकेश जैन शास्त्री द्वारा मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया। कार्यक्रम के अंत मे दीप महाअर्चना 101 दीपक को के साथ की गई।